... सिर्फ सच का साथ

जनमुख

वाराणसी, गुरुवार, 09 अप्रैल-2026

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वाराणसी, लखनऊ, दिल्ली एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश व पश्चिमी बिहार में प्रसारित

● वर्ष -43 ● अंक 191 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य 2 रुपया

तीन राज्यों का भाग्य EVM में बंद

कड़ी सुरक्षा के बीच 296 सीटों पर शांतिपूर्ण मतदान

● दोपहर 1 बजे तक असम में 59.63 प्रतिशत केरलम में 49.70 फीसदी और पुडुचेरी में 56.83 प्रतिशत मतदान

नई दिल्ली। दो राज्यों असम और केरल और एक केंद्र शासित प्रदेश पुदुचेरी में आज विधानसभा चुनाव के लिए मतदान कराए जा रहे हैं। दोनों राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में एक ही चरण में मतदान कराए जा रहे हैं। असम में 126, केरल की 140 और पुदुचे-री की 30 विधानसभा सीटों पर वोटिंग हुई। देश के तीन राज्यों असम, केरलम और पुडुचेरी में आज विधानसभा चुनाव के लिए सिंगल फेज में वोटिंग चल रही है। कुल 296 सीटों पर मतदान हो रहा है। दोपहर 1 बजे तक असम में 59.63 प्रतिशत, केरलम में 49.70 प्रतिशत और पुडुचेरी में 56.83 प्रतिशत मतदान हुआ है। असम में 126 सीट पर 41 पार्टियों के 722 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं केरलम में 2.71 करोड़ वोटर 890 उम्मीदवारों में से अपना नेता चुनेंगे। पुडुचेरी में 20 पार्टियां के 294 कैंडिडेट अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। तीनों राज्यों में करीब 10 लाख से ज्यादा वोटर्स पहली बार मतदान करेंगे। केरलम में 70 साल में पहली बार कोई सीएम हैट्रिक के लिए चुनाव लड़ रहा है। असम में बीजेपी हिमंता बिस्व सरमा के सहारे लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का दांव खेल रही है। जबकि पुडुचेरी में कांग्रेस से निकले एन. रंगास्वामी पांचवी बार सत्ता में काबिज होने की कोशिश कर रहे हैं।

असम में चुनावी ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी की मौत

असम विधानसभा चुनाव के बीच सोनितपुर जिले के नदुआ निर्वाचन क्षेत्र में तैनात एक मतदान अधिकारी मृत पाए गए। मृतक का नाम देबेन होरो था और उनकी उम्र 45 वर्ष थी। वह डोलापानी एलपी स्कूल के मतदान केंद्र संख्या 230 पर दूसरे मतद-ान अधिकारी के रूप में तैनात थे। अधिकारियों ने बताया कि देबेन होरो आज सुबह अपने बिस्तर पर बेहोश मिले थे। जिसके बाद उन्हें तुरंत एम्बुलेंस से पास के अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बारामती उपचुनाव में कांग्रेस ने वापस लिया उम्मीदवार

मुम्बई। बारामती विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस अपना उम्मीदवार वापस ले रही है. इसके साथ ही उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार की जीत लगभग तय मानी जा रही है. अजित पवार की राजनीतिक विरासत और सहानुभूति लहर के बीच अब उनके निर्विरोध चुने जाने का रास्ता साफ होता दिख रहा है।

इन्दौर में कांग्रेस पार्षद ने 'वंदे मातरम' गाने से किया इनकार

इन्दौर। इंदौर नगर निगम में कांग्रेस पार्षद फौजिया शेख अलीम के 'वंदे मातरम' गाने से इनकार करने पर बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया। इस घटना के बाद भाजपा पार्षदों ने जमकर हंगामा किया, जिसके चलते अध्यक्ष ने कांग्रेस पार्षद को सदन की कार्यवाही में बाधा डालने के आरोप में एक दिन के लिए निलंबित कर दिया। इंदौर नगर निगम के बजट पर चर्चा के दौरान कांग्रेस पार्टी की एक महिला पार्षद ने 'वंदे मातरम' गाने से इनकार कर दिया, जिसके बाद विवाद खड़ा हो गया। यह घटना तब हुई जब कांग्रेस पार्षद फौजिया शेख अलीम बैठक में देर से पहुंचीं। बताया जाता है कि भाजपा पार्षदों ने उनसे 'वंदे मातरम' गाने का अनुरोध किया, जिसे उन्होंने अस्वीकार कर दिया। कांग्रेस पार्षद के 'वंदे मातरम' गाने से इनकार करने पर भाजपा पार्षदों ने हंगामा किया और नारे लगाए। बाद में, अध्यक्ष मुन्नालाल यादव ने फौजिया शेख अलीम को एक दिन के लिए बैठक से निलंबित कर दिया।

इजराइल ने किया लेबनान पर हमला

तेलअवीव। इजराइल ने गुरुवार को दावा किया कि उसने बेरूत पर रात भर चले हमले में ईरान समर्थित लेबनानी समूह हिजबुल्लाह के नेता नईम कासिम को मार गिराया है। यदि हिजबुल्लाह द्वारा इसकी पुष्टि की जाती है, तो उनकी मृत्यु सशस्त्र समूह और ईरान दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण झटका होगा, जिनके लिए हिजबुल्लाह एक प्रमुख क्षेत्रीय सहयोगी है। इजरायल की सेना ने गुरुवार को दावा किया है कि कल बेरूत में हुई एक इजरायली हवाई हमले में हिज्बुल्लाह नेता नईम कासिम के सेक्रेटरी की मौत हो गई। आईडीएफ ने बताया कि बेरूत के तल्लेत खयात इलाके में हिज्बुल्लाह के गढ़ दाहियेह के बाहर अली यूसुफ हर्षी को निशाना बनाया गया था। फुटेज में दिखाया गया कि इस हमले से एक बहुमंजिला इमारत आंशिक रूप से ढह गई।

किसी प्रथा को अंधविश्वासी घोषित करना कोर्ट का

● विधायिका चुप रहे तो क्या न्यायपालिका हस्तक्षेप नहीं कर सकती – अदालत

सबरीमाला केस : सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार ने रखा अपना पक्ष

नई दिल्ली। सबरीमाला केस की सुनवाई के दौरान धर्म में अंधविश्वास को लेकर सुप्रीम कोर्ट और केंद्र सरकार ने अपनी-अपनी बातें रखीं। कोर्ट ने अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि उसके पास यह तय करने का अधिकार है कि किसी धर्म में कौन-सी प्रथा अंधविश्वास की श्रेणी में आती है। यह टिप्पणी केंद्र के उस तर्क पर आई, जिसमें कहा गया कि कोर्ट यह तय नहीं कर सकता कि कोई धार्मिक प्रथा, अंधविश्वास है या नहीं। जज कानून के विशेषज्ञ होते हैं, धर्म के नहीं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, मान भी लें कि कोई प्रथा अंधविश्वासी है, तब भी उसे अंधविश्वास घोषित करना कोर्ट का काम नहीं है।' संविधान के तहत सुधार के लिए कानून बनाना विधायिका का अधिकार है। कोर्ट ने सवाल किया कि विधायिका चुप रहे तो क्या न्यायपालिका हस्तक्षेप नहीं कर सकती? बता दें कि चीफ जस्टिस की अगुआई वाली संविधान पीठ धार्मिक स्थलों पर महिलाओं से भेदभाव के मामले सुन रही है। केंद्र सरकार ने शीर्ष अदालत में दलील दी कि 2018 का फैसला इस धारणा पर आधारित था कि पुरुष श्रेष्ठ हैं और महिलाओं को निचले स्तर पर रखा गया। सुप्रीम कोर्ट की नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही है, जिसमें धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के प्रवेश और धार्मिक स्वतंत्रता की सीमा को लेकर व्यापक सवाल उठाए गए हैं। केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यह मामला किसी एक लिंग के पक्ष या विपक्ष का नहीं है।

पलटी बस, महिला की मौत, 22 घायल

वाराणसी-गाजीपुर। गाजीपुर जिले के नंदगंज थाना क्षेत्र के नैसारे गांव के सामने वाराणसी-गोरखपुर फोरलेन पर बृहस्पतिवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। डिवाइडर से टकराने के बाद एक टूरिस्ट बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब 22 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतका की शिनाख्त नहीं हो सकी है। घटना की जानकारी मिलते ही एएसपी सिटी डॉ. राकेश कुमार मिश्रा पुलिस बल के साथ मेडिकल कॉलेज पहुंचे और घायलों का हाल जाना।

दिल्ली विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा को आज गुरुवार सुबह एक बार फिर से धमकी भरा ई-मेल मिला है। दिल्ली विधानसभा में दो-तीन दिन पहले सुरक्षा में हुई बड़ी चूक के बाद अब बम से उड़ाने की धमकी मिलने पर अधिकारियों में हड़कंप मच गया। बता दें कि दो पहले सोमवार को ही एक व्यक्ति ने तेज रफ्तार कार से दिल्ली विधानसभा के वीवीआईपी गेट नंबर-2 पर बैरियर तोड़ते हुए गाड़ी अंदर घुसा दी थी। इतना ही नहीं आरोपी वारदात के बाद मौके से भी फरार हो गया। हालांकि, कुछ घंटों में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था।

सीजफायर के बीच ट्रंप की ईरान को फिर धमकी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने ईरान को एक नई धमकी दी है। ट्रंप का कहना है कि अगर ईरान हॉर्मुज स्ट्रेट को नहीं खोलता है और परमाणु हथियार न रखने का वादा नहीं करता है तो गोलीबारी शुरू हो जाएगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर उन्होंने लिखा, 'अमेरिका के सभी जहाज, विमान और सैन्य कर्मी साथ ही अतिरिक्त गोला-बारूद, हथियार और ऐसी कोई भी चीज जो पहले से ही काफी कमजोर हो चुके दुश्मन को पूरी तरह से खत्म करने और नष्ट करने के लिए सही और जरूरी हो ईरान के अंदर और उसके आस-पास तब तक तैनात रहेंगे, जब तक कि हुई 'असली सहमति' का पू-री तरह से पालन नहीं हो जाता।'

अमेरिका-ईरान वार्ता में पाकिस्तान की भूमिका पर इजरायल ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। भारत में इजरायल के राजदूत, रूवेन अजार ने ईरान और अमेरिका के बीच चल रही सीजफायर बातचीत में पाकिस्तान की 'मध्यस्थ' की भूमिका पर संदेह जताया है। अजार ने कहा, 'हम पाकिस्तान को एक विश्व-सनीय खिलाड़ी के तौर पर नहीं देखते। मुझे लगता है कि अमेरिका ने अपने कारणों से पाकिस्तान की मध्यस्थता वाली सेवाओं का इस्तेमाल करने का फैसला किया है। उन्होंने आगे कहा कि, 'तेल अवीव का मकसद दक्षिणी लेबनान में हिज्बुल्लाह के आतंकवाद को खत्म करना है। इसका ईरान में चल रहे ऑपरेशन से कोई लेना-देना नहीं है।

होर्मुज पर ईरान ने जहाजों के लिए तय किए नए रास्ते

तेहरान। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अब होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। ईरान ने जहाजों की आवाजाही के लिए वैकल्पिक समुद्री रास्तों का एलान किया है। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड (IRGC) की नौसेना ने आज गुरुवार को एक बयान जारी कर कहा कि समुद्री सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए IRGC नौसेना ने सभी मालवाहक जहाजों और नौकाओं को इन नए, निर्दिष्ट मार्गों का पालन करने का निर्देश दिया है।

जनमुख हिन्दी दैनिक City लाईव
● तापमान अधिकतम : 36.7°C
● तापमान न्यूनतम : 20.8°C
● सूर्योदय : 06.11
● सूर्यास्त : 06.05
वाराणसी, 09 अप्रैल, गुरुवार, 2026 (3)

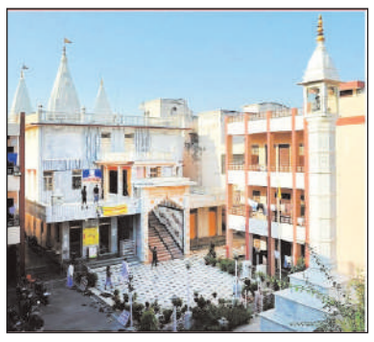

NSUI ने निकाली गांधीवादी साइकिल यात्रा

बढ़ती फीस, पेपर लीक और दमनकारी नीतियों के खिलाफ उठायी आवाज

● प्रशासन ने किया यात्रा को रोकने का प्रयास विद्यापीठ मुख्य द्वार पर बने टकराव के हालात

वाराणसी। नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (NSUI) ने अपने 56वें स्थापना दिवस के अवसर पर वाराणसी में एक भव्य 'गांधीवादी' साइकिल यात्रा का आयोजन किया। यह यात्रा प्रदेश अध्यक्ष ऋषभ पांडेय के नेतृत्व में शास्त्री घाट से शुरू होकर हरिश्चंद्र पीजी कॉलेज, संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय होते हुए महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ तक पहुँची। यात्रा में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर छात्र हितों से जुड़े मुद्दों पर आवाज बुलंद की। प्रदेश अध्यक्ष ऋषभ पांडेय ने कहा कि यह साइकिल यात्रा विश्वविद्यालयों में छात्रों के हो रहे दमन, बढ़ती फीस और लगातार सामने आ रहे पेपर लीक जैसे गंभीर मुद्दों के खिलाफ एक प्रतीकात्मक विरोध है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा संस्थानों में छात्रों की आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है और प्रशासनिक स्तर पर उनके साथ अन्याय हो रहा है। जब साइकिल यात्रा महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ पहुँची तो विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा मुख्य द्वार पर ही कार्यकर्ताओं को रोकने का प्रयास किया गया। इस दौरान कुछ देर के लिए तनावपूर्ण स्थिति भी उत्पन्न हो गई। ऋषभ पांडेय ने प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा, 'जिस विश्वविद्यालय की स्थापना महात्मा गांधी के आदर्शों पर हुई, वहीं शांतिपूर्ण और गांधीवादी तरीके से प्रदर्शन कर रहे छात्रों को रोका जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। कुछ लोग विचारधारा विशेष से प्रभावित होकर लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन कर रहे हैं।' NSUI नेताओं ने इस अवसर पर अपनी मांगों को स्पष्ट रूप से सामने रखा और कहा कि जब तक इन पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, आंदोलन जारी रहेगा। NSUI कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट किया कि उनका यह आंदोलन पूरी तरह से शांतिपूर्ण और गांधीवादी सिद्धांतों पर आधारित है।

छात्रों की प्रमुख मांगें

विश्वविद्यालयों में छात्रों का मानसिक एवं शारीरिक उत्पीड़न तत्काल बंद किया जाए। पेपर लीक मामलों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। बढ़ी हुई फीस को वापस लेकर शिक्षा को सुलभ और किफायती बनाया जाए। छात्रसंघ चुनाव समय पर कराए जाएं।

उन्होंने कहा कि छात्रों के अधिकारों की रक्षा के लिए वे आगे भी इसी तरह जनजागरण अभियान और विरोध प्रदर्शन करते रहेंगे।

कोडीन कफ सिरप घोटाले में 2 व्यापारी पकड़े गए

वाराणसी। कोतवाली थाने में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के मामले में वांछित चल रहे सप्तसागर दवा मंडी के दो व्यापारियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों में जीआरएस फार्मा के प्रोपराइटर ऋषभ यादव और उर्मिला फार्मा के प्रोपराइटर उमेश यादव शामिल हैं। दोनों पर भोला जायसवाल की शैली ट्रेडर्स से कागजों पर करोड़ों रुपये के कोडीन कफ सिरप की खरीद दिखाने का आरोप है। पुलिस ने देर रात दोनों को लोहामंडी इलाके से गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है। आज उन्हें जेल भेजा जाएगा। हवाला कारोबारी और शुभम के करीबी वैभव जायसवाल की गिरफ्तारी के बाद कफ सिरप मामले में कार्रवाई तेज कर दी गई है।

गायबशुदा की तलाश

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। तेलियाबाग, चौकाघाट का रहने वाला जब्बार गुप्ता अपने घर से पिछले कुछ दिनों पहले कहीं चला गया जिसका काफी तलाश के बाद भी कोई पता नहीं चला। अगर किसी को गायब शुदा जब्बार के बारे में कोई जानकारी मिले तो वह मोबाइल संख्या 8545938175, 6393836660 पर सम्पर्क कर उचित ईनाम प्राप्त कर सकता है।

बाढ़ू वीर बाबा के मंदिर में चोरों ने लगायी सेंध

● पंखा, घंटा और दानपात्र में रखे हजारों रुपयों पर किया हाथ साफ

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। लोहता थाना क्षेत्र के भरथरा गाँव में बीती रात चोरों ने बाढ़ू वीर बाबा मंदिर को निशाना बनाया। मंदिर से चार पंखे, दो बड़े घंटे और दानपेटी में रखे हजारों रुपए चुरा ले गए। सुबह पूजा को पहुँचे पुजारी ने बिखरा सामान देख शोर मचाया, फिर गाँव में हड़कंप मच गया। लोगों ने पुलिस से तत्काल जाँच, दानपेटी में जमा-निकासी की निगरानी और मंदिर सुरक्षा कड़ी करने की माँग की है।

अभिभावकों के शोषण को लेकर निजी विद्यालयों के खिलाफ सपाइयों ने खोला मोर्चा, सौंपा ज्ञापन

वाराणसी। निजी विद्यालयों द्वारा मनमानी फीस वृद्धि एवं अभिभावकों के शोषण के खिलाफ समाजवादी पार्टी (सपा) के कार्यकर्ताओं ने अपर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में अभिभावकों को चिन्हित दुकानों से ड्रेस खरीदने के लिए बाध्य करने, बेतहाशा फीस वृद्धि और पाठ्यक्रम में बार-बार बदलाव के मुद्दों को उठाया गया। सपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा 'विश्वकर्मा' और जिला प्रवक्ता संतोष यादव 'बबलू' के नेतृत्व में बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। वहां उनकी अनुपस्थिति में एडीएम सिटी आलोक वर्मा को ज्ञापन सौंपा गया। सपा के नेताओं ने कहा कि निजी स्कूल संचालकों की मनमानी से अभिभावक अपने बच्चों को शिक्षा दिलाने में असमर्थ महसूस कर रहे हैं। विष्णु शर्मा ने कहा कि वाराणसी के अधिकांश निजी विद्यालयों में अभिभावकों का सुनियोजित तरीके से शोषण किया जा रहा है।

अपशब्दों के साथ स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को धमकी

वाराणसी। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को जान से मारने की धमकी मिली है। उन्हें भेजे गए ऑडियो मैसेज में कहा गया कि जैसे अतीक अहमद को मारा गया था, वैसे ही उन्हें भी मार दिया जाएगा। इन ऑडियो में 33 बार गालियां भी दी गई हैं और कहा गया है कि उनकी यात्रा के दौरान हमला किया जाएगा। धमकी देने वाले ने कहा कि शंकराचार्य का टाइम नजदीक आ गया है। कितना भी बचे, वह बच ही नहीं पाएगा। जैसे अतीक अहमद को मारा, वैसे ही उसको भी मारना है। बाद में सारी कहानी खत्म। यह रेपिस्ट है। रेपिस्ट को बोलो थोड़ा शांत रहे, वरना उससे बात कराओ। बात कराओ उस रेपिस्ट से। 1 अप्रैल को ज्योतिष्पीठ के आधिकारिक नंबर पर पहले एक धमकी भरा मैसेज आया था, जिसे बाद में ब्लॉक कर दिया गया। इसके बाद 6 अप्रैल की रात 9:55 और 9:56 बजे दो वॉइस मैसेज भेजे गए। ज्योतिष्पीठ ने ये दोनों ऑडियो जारी करके मामले की जांच की मांग की है। शंकराचार्य को इससे पहले भी कई बार धमकियां मिल चुकी हैं। उनके समर्थकों का कहना है कि गोरक्षा अभियान के कारण कुछ लोग नाराज हैं।

'संकल्प' ने शरबत बांटकर राहगीरों को पहुंचायी राहत

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हुए 'संकल्प अन्नक्षेत्र' के अंतर्गत शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। शहर के समाजसेवी व्यापारी अनिल कुमार जैन एवं आलोक कुमार जैन की माता स्वर्गीय रानी देवी जैन की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित किया गया। सुबह से ही चौक स्थित प्रतिष्ठान 'कन्हैयालाल गुलालचंद सर्राफ' के सामने आयोजित इस कार्यक्रम में सैकड़ों राहगीरों को ठंडा शरबत वितरित किया गया। इस अवसर पर संस्था के संस्थापक सदस्य आलोक कुमार जैन ने कहा कि 'हमारा संकल्प है कि जरूरतमंदों तक समय पर राहत पहुंचे और यही भावना हमें निरंतर ऐसे कार्यों के लिए प्रेरित करती है।'

पहली बार हवाई जहाज में राणी सती दादी का मंगल पाठ

● श्रद्धालु 20 सितम्बर को काशी से दिल्ली तक करेंगे हवाई यात्रा, 23 को वापसी

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। जय दादी नाम बैंक काशी ट्रस्ट की कार्यकारिणी की बैठक बुधवार को भेलूपुर स्थित संस्था के अध्यक्ष प्रदीप तुलस्यान के आवास पर संपन्न हुई। बैठक का संचालन संस्था के अध्यक्ष प्रदीप तुलस्यान ने की। बैठक में अब तक संपन्न जल क्रुज माध्यम से आयोजित दादी जी के मंगल पाठ कार्यक्रम की समीक्षा की गई तथा आगामी कार्यक्रम हवाई जहाज में प्रथम बार रानी सती दादी मंगल पाठ का निर्णय सर्व सहमति से 20 सितंबर 2026 को होगा लिया गया । संस्था की संरक्षक रमेश कुमार चौधरी ने बताया कि सभी श्रद्धालु वाराणसी से दिल्ली तक हवाई यात्रा करेंगे। 10 पक्ष दिल्ली से बसों द्वारा झुंझुनू स्थित रानी सती दादी धाम पहुंचेंगे। इस दौरान तीन दिवसीय भव्य उत्सव का आयोजन किया जाएगा। 23 सितंबर को वापसी का कार्यक्रम निर्धारित है जिसमें श्रद्धालु बसों द्वारा दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचकर पुनः हवाई मार्ग से वाराणसी लौटेंगे। कार्यक्रम के दौरान सभी श्रद्धालुओं के रहने भजन प्रसाद एवं व्यवस्थाओं की समुचित व्यवस्था समिति द्वारा की जाएगी। बैठक में प्रमुख रूप से रमेश कुमार चौधरी, दीपक बजाज, सुनील नेमानी, प्रदीप तुलस्यान, सुरेश तुलस्यान, संजय अग्रवाल अग्गु, महेश चौधरी, गोपाल तुलस्यान,संजय पंसारी, अशोक गिनोडिया, विकास भावसिका राजेश तुलस्यान, आदि सदस्य उपस्थित थे। अंत में धन्यवाद ज्ञापन महेश चौधरी ने की।

मानवता की सेवा में 16 वर्ष पूरे होने पर ब्रेथ ईजी ने लगाया स्वास्थ्य मेला

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। अस्सी स्थित ब्रेथ ईज़ी चेस्ट सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल के 16वीं वर्षगाँठ के अवसर पर बुधवार को एक निःशुल्क चिकित्सा स्वास्थ शिविर का आयोजन ब्रेथ ईजी अस्पताल (अस्सी) पर किया गया, निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में आए 74 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस अवसर पर ख्यातिलब्ध डॉ. एस.के पाठक ने बताया 'ब्रेथ ईज़ी अस्पताल पूर्वांचल का एक मात्र ऐसा अग्रणी चेस्ट केयर अस्पताल बन गया है, जहाँ पर मरीजों का कम समय व कम खर्च में इलाज हो जाता है। ब्रेथ ईजी में अब तक 3 लाख से भी ज्यादा मरीजों का उपचार किया, 1 लाख से ज्यादा मरीजों की जान बचायी गयी हैं जोकि गंभीर श्वांस की बीमारी से ग्रसित थे। हजारों स्वास्थ्य जन जागरूकता रैली भी निकाली गई। ब्रेथ ईज़ी की निदेशिका सुनीता पाठक ने बताया कि 'ब्रेथ ईजी, विगत 16 वर्षो में स्वास्थ सम्बंधित रोगों के बचाव व उपचार के लिए पूर्वांचल में एक स्तम्भ बन चुका है।

जनमुख
परामर्श मंडल

एस. कुमार
राष्ट्रीय अध्यक्ष
सिंधी काउंसिल
ऑफ इंडिया

संतोष अग्रवाल हरे कृष्ण ज्वैलर्स
सभापति, श्री काशी अग्रवाल समाज

श्रीनारायण खेमका
अध्यक्ष : अखिल भारतीय
मारवाड़ी सम्मेलन

वी.के.जैन
अध्यक्ष
जैन मिलन, वाराणसी

डा. एस.के.पाठक
वरिष्ठ चिकित्सक

डा. नीलम ओहरी
स्त्री रोग विशेषज्ञ

प्रधान सम्पादक
ब्रजेश कुमार राय 'शर्मा'

समाचार सम्पादक
सरोज सिन्हा

स्वात्वाधिकारी व स्वामी ब्रजेश कुमार राय 'शर्मा' द्वारा 'गिरीश प्रिंटिंग प्रेस से मुद्रित एवं कार्यालय बी 3/1 काशीराज अपार्टमेंट नदेसर 221002 वाराणसी से प्रकाशित एवं प्रसारित।

रजि.33134/78.
फोन : 0542-2500324
9336929544
Email :
janmukh.vns@gmail.com

48 घंटे में दुरुस्त होंगी खराब स्ट्रीट लाइटें

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। सिगरा स्थित स्मार्ट सिटी सभागार में बुधवार को.आलोक व परिवहन विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान महापौर अशोक कुमार तिवारी ने खराब स्ट्रीट लाइटों की पहचान और शिकायत के लिए क्यूआर कोड या जीआई बोर्ड लगाने के निर्देश दिए हैं। इस बोर्ड पर विधानसभा, वार्ड और मोहल्ले के कोड के साथ स्ट्रीट लाइट का नंबर भी दर्ज होगा, जिससे आम नागरिकों को शिकायत दर्ज कराने में आसानी होगी और निगम प्रशासन 48 घंटों के भीतर लाइटों की मरम्मत सुनिश्चित कर सकेगा।

पूर्वोत्तर रेलवे
ई-निविदा सूचना:ओटी-01-2026

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर / निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये "खुली" निविदा आमंत्रित की जाती है:–

क्रम सं.-1, निविदा सं: ओटी-01-2026, कार्य का विवरण: बांसी–बलरामपुर–श्रावस्ती नई लाइन परियोजना के द्वितीय चरण में नई निर्माणाधीन ट्रैक लाइन के संरेखण में आने वाले 33 केवी के 21 अदद, 11 केवी के 173 अदद एवं 0.4 केवी के 60 अदद (कुल 254 अदद) यूपीपीसीएल के ओवरहेड लाइन क्रासिंगो को भूमिगत केबेलो के माध्यम से संशोधन करने का विद्युतीकरण कार्य। अनुमानित लागत: ₹ 15,86,11,067.96, बयाना राशि: ₹ 31,72,200/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: ₹ निल, कार्य पूर्ण करने की अवधि: 12 माह, निविदा बन्द होने की अंतिम तिथि व समय: 28-04-2026 को 15:00 बजे।

नोट: • इस निविदा के विरूद्ध कोई मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट *http://www.ireps.gov.in* को देखें। • निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर / निर्माण
मुजाधि / विद्युत-07 **गोरखपुर**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

पीएम मोदी ने दिव्य काशी को भव्य काशी का स्वरूप दिया

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। उत्तर प्रदेश सरकार के आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने मंगलवार को कहा कि काशी की दिव्यता तो सनातन काल से जगत् को आलोकित करती रही है, परंतु प्रधानमंत्री मोदी ने इसे स्वच्छ, सुसज्जित और भव्य काशी के रूप में नया आयाम दिया है। मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु ने कहा कि काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर के निर्माण के पश्चात बाबा भोलेनाथ की नगरी में देश ही नहीं, बल्कि विश्व के कोने-कोने से श्रद्धालुओं और पर्यटकों का अभूतपूर्व आगमन हो रहा है। इन विकास कार्यों का उद्देश्य काशी आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना तथा धार्मिक स्थलों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करना है। इससे एक ओर जहां रात्रिकालीन दर्शन और आवागमन सुगम होगा, वहीं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी सौर ऊर्जा का उपयोग एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

सुल्तानपुर समाचार

युवक की जहर खाने से मौत:इलाज के दौरान तोड़ा दम

सुल्तानपुर। कूरेभार थाना क्षेत्र के जमौली गांव में गुरुवार को एक युवक की जहरीला पदार्थ खाने से मौत हो गई। मृतक की पहचान राहुल कुमार के रूप में हुई है। परिजनों ने उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पत्नी अर्चना ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि राहुल सुबह करीब 6 बजे घर लौटे थे। जब अर्चना ने उनसे खाना बनाने के लिए कहा, तो राहुल ने चौंकाने वाला जवाब दिया कि अब वह खाना नहीं खा पाएंगे क्योंकि उन्होंने जहर खा लिया है। अर्चना के अनुसार, राहुल ने रोते हुए बताया कि उनके माता-पिता उन्हें पसंद नहीं करते। पत्नी ने यह भी बताया कि उस समय घर में कोई तात्कालिक झगड़ा नहीं हुआ था, लेकिन राहुल अपने माता-पिता के व्यवहार से लंबे समय से दुखी थे। जहर खाने की बात पता चलते ही अर्चना ने एम्बुलेंस बुलाई। राहुल को पहले कुड़वार स्थित स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां से गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें सुलतानपुर जिला अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई। पुलिस को घटना की सूचना दे दी गई है। जिला अस्पताल में डॉक्टरों द्वारा मृत घोषित किए जाने के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। राहुल जयसिंहपुर थाना क्षेत्र के धरसौली गांव के निवासी थे और उनकी शादी कूरेभार थाना क्षेत्र के चौरे बाजार में हुई थी। उनके दो बच्चे हैं, जिनकी उम्र डेढ़ और तीन साल है।

सोनभद्र समाचार

खलिहान में मिला व्यक्ति का शव:शरीर पर चोट के निशान

सोनभद्र। बुधवार सुबह एक व्यक्ति का शव खलिहान में पड़ा मिला। व्यक्ति के शरीर पर चोट के निशान थे। मृतक की पहचान राम नरेश बैसवार (43) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार राम नरेश मंगलवार रात से घर से लापता थे। काफी तलाश के बाद भी कोई जानकारी नहीं मिली। बुधवार सुबह घर से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर खलिहान में शव मिला। परिचनों ने हत्या कर शव फेंकने की आशंका जताई। मामला घोरावल क्षेत्र के कुंडा गांव का है। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने देखा कि मृतक के शरीर पर कई जगह चोट के निशान थे। इससे घटना संदिग्ध प्रतीत हो रही है। सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी राहुल पांडे, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक, फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। टीम ने साक्ष्य जुटाकर जांच शुरू कर दी है। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक अपने पीछे पत्नी, पुत्र और पुत्री को छोड़ गए हैं।

गाजीपुर समाचार

एक दिन के लिए गाजीपुर की डीएम बनीं गंगा ने सुनीं समस्याएं

गाजीपुर। मिशन शक्ति के तहत बालिकाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से बुधवार को कक्षा 12 की छात्रा गंगा मौर्या को जिले का एक दिन की जिलाधिकारी बनाया गया। गंगा मौर्या लूदर्स कॉन्वेंट गर्ल्स इंटर कॉलेज की कक्षा 12 की छात्रा हैं।

जिलाधिकारी बनने के बाद गंगा मौर्या ने कलेक्ट्रेट में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान डीएम की कुर्सी संभालते हुए फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने प्रशासनिक कार्यप्रणाली को नजदीक से समझा। गंगा मौर्या ने कहा कि जिलाधिकारी बनना उनके लिए गर्व का क्षण है। इस अनुभव से उन्हें प्रशासनिक जिम्मेदारियों और जनता की समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया को समझने का अवसर मिला। जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने छात्रा को बधाई देते हुए कहा कि मिशन शक्ति अभियान बालिकाओं को आगे बढ़ने और बड़े लक्ष्य तय करने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से छात्राओं में आत्मविश्वास और जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। डीएम ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों का उद्देश्य बालिकाओं को सशक्त बनाना और उन्हें भविष्य में नेतृत्व की भूमिका के लिए तैयार करना है।

मऊ समाचार

सर्दी-जुकाम की बढ़ी समस्या, बुखार से हो रहा बदन दर्द

मऊ। मौसम में लगातार उतार-चढ़ाव के कारण जिला अस्पताल की ओपीडी में वायरल मरीजों की संख्या बढ़ गई है। दिन में गर्मी और रात में हल्की ठंड के कारण लोगों में सूखी खांसी, गले में दर्द और सर्दी-जुकाम की समस्या सामने आ रही है, वहीं बुखार से पूरा बदन टूट रहा है।मेडिसिन विभाग की ओपीडी में रोजाना औसतन करीब 400 मरीज आ रहे हैं, जिनमें अधिकतर वायरल संक्रमण से पीड़ित हैं। फिजिशियन डॉ. शैलेष ने बताया कि रात के मौसम में आई ठंडक और बार-बार हो रहे बदलाव के कारण लोग वायरल संक्रमण की चपेट में आ रहे हैं। मरीजों में फिलहाल बुखार, सूखी खांसी और गले में दर्द की शिकायत अधिक देखने को मिल रही है। उन्होंने बताया कि ठंडी खाद्य सामग्री का सेवन भी इन समस्याओं को बढ़ा रहा है। उन्होंने बताया कि कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले लोग, बच्चे और बुजुर्ग ऐसे मौसम में ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं।

आजमगढ़ समाचार

पेट्रोल डालकर आत्मदाह का प्रयास, वेतन भुगतान के नाम पर वसूली का आरोप

आजमगढ़। जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) कार्यालय में बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवक ने खुद पर पेट्रोल डालकर आत्मदाह का प्रयास किया। युवक सौरभ तिवारी ने डीआईओएस मनोज कुमार पर वेतन भुगतान के नाम पर वसूली करने का गंभीर आरोप लगाया है। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह उसे समझाकर बड़ा हादसा टाल दिया। सौरभ तिवारी के पिता और शिक्षक अशोक तिवारी ने बताया कि अंजुमन इस्लामिया उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दौना लालगंज वर्ष 2002 में अनुदान सूची में शामिल हुआ था। नियुक्ति विवाद को लेकर मामला कोर्ट में चला गया, जिसके चलते वेतन अवरुद्ध हो गया। वर्ष 2016 में कोर्ट से निर्णय शिक्षकों के पक्ष में आया, लेकिन बाद में फिर से विवाद खड़ा हो गया। वर्ष 2024 में न्यायालय ने पुनः शिक्षकों के पक्ष में फैसला सुनाते हुए वेतन भुगतान के निर्देश दिए आरोप है कि पूर्व डीआईओएस उपेंद्र कुमार के कार्यकाल में वेतन भुगतान के लिए 25 लाखों रुपये की मांग की गई और आंशिक भुगतान के बाद फिर से वेतन रोक दिया गया। इसी बीच उपेंद्र कुमार अवकाश पर गए थे। डीआईओएस का प्रभार संभालने वाले वीरेंद्र प्रताप सिंह द्वारा भुगतान शुरू कराया गया, लेकिन पुनः चार्ज संभालने के बाद उपेंद्र कुमार ने वेतन रोक दिया। 31 जनवरी 2026 को जेडी कार्यालय में हुए हंगामे के बाद वेतन फिर से जारी होने लगा। इसके बाद उपेंद्र कुमार का स्थानांतरण हो गया।

मीरजापुर समाचार

अनुपम समाचार पत्र का 58 वां स्थापना दिवस पूरे धूमधाम से नगर पालिका निर्मित सिटी क्लब में मनाया गया

मीरजापुर। अनुपम समाचार पत्र का 58 वां स्थापना दिवस पूरे धूमधाम से नगर पालिका निर्मित सिटी क्लब में मनाया गया जिसमें राजनीतिक, व्यावसायिक, प्रशासनिक तथा अधिवक्ता गणों को सम्मानित किया गया।

जनपद से प्रकाशित होने वाला अनुपम समाचार पत्र के 58 वें उत्पत्ति दिवस पर पूर्व राज्य मंत्री तथा वर्तमान विधायक रमाशंकर सिंह पटेल ने कहा कि आज के इस युग में समाचार पत्रों का महत्व इसलिए है क्योंकि बड़े से लेकर बच्चों में पढ़ने की लालसा पैदा होती है। इसी क्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष लाल बहादुर सरोज ने कहा कि समाचार पत्रों के माध्यम से हमें पूरी गहराई से समाज में हो रही गतिविधियों की जानकारी बखूबी हो जाती है कार्यक्रम में जनपद के साहित्यकार सलिल पांडे ने कहा कि पहले समाचार पत्र विलंब से जनता तक पहुंचती थी परंतु इस डिजिटल युग में समाचार पत्रों की भी गति बढ़ गई है और वह त्वरित गति से जनता के मध्य समाचार पहुंचाने में सफल हो रहे हैं। पद्मश्री उर्मिला श्रीवास्तव ने इस पत्र के 57 वर्ष पूर्ण कर लेने पर समाचार पत्र अनुपम के व्यवस्थापकों को धन्यवाद ज्ञापित किया जिनके अथक प्रयास से यह अपने क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुंदर केसरी ने आज के छपने वाले समाचार पत्रों की तारीफ की।

कार्यक्रम में डॉक्टर गणेश अवस्थी, उप जिलाधिकारी सदर गुलाबचंद पूर्व बार के अध्यक्ष बैकुंठ नाथ त्रिपाठी सुरेश त्रिपाठी रामकृष्ण द्विवेदी के अतिरिक्त लक्ष्मीकांत पांडे उमाकांत पांडे, गंगा राम यादव डॉक्टर सी एल बिंद ने अपना विचार व्यक्त किया आगत अतिथियों का स्वागत विष्णु कांत पांडे ने किया कार्यक्रम का संचालन विश्वजीत दुबे ने किया।

जौनपुर समाचार

डीएम जौनपुर का वेतन रोकने का कमिश्नर को आदेश

जौनपुर। सड़क दुर्घटना के एक मामले में वाहन स्वामी से क्षतिपूर्ति की धनराशि की वसूली न करने पर मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के जज मनोज कुमार अग्रवाल ने जौनपुर जिलाधिकारी का वेतन रोकने के लिए कमिश्नर वाराणसी को आदेश दिया है। कोर्ट ने जिलाधिकारी के कृत्य को आपत्तिजनक बताया। साथ ही तहसीलदार मछलीशहर को कारण बताओ नोटिस जारी किया कि क्यों न उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई के लिए मामला उच्च न्यायालय इलाहाबाद को संदर्भित किया जाए। अग्रिम तिथि 22 अप्रैल 2026 नियत की गई है। सुजानगंज के फत्तूपुर निवासी रामलाल की 16 फरवरी 2019 को मोटरसाइकिल से ससुराल जाते समय टेंपो चालक की लापरवाही से दुर्घटना हो गई थी, जिससे उसका पैर कई जगह टूट गया। कई अस्पतालों में उसका इलाज चला और लाखों रुपये खर्च हुए।

देवरिया समाचार

भलुअनी थानाध्यक्ष पर दुर्व्यवहार का आरोप CRPF जवान ने की शिकायत

देवरिया। जिले के भलुअनी थाना अध्यक्ष पर दुर्व्यवहार और अभद्रता के गंभीर आरोप लगे हैं। पुलिस अधीक्षक ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच रुद्रपुर क्षेत्राधिकारी (सीओ) को सौंप दी है।केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) के जवान नागेंद्र कुमार यादव ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है। उनके अनुसार, उन्होंने 3 अप्रैल 2026 को अपनी एक समस्या के संबंध में भलुअनी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। 4 अप्रैल को क्षेत्रीय उपनिरीक्षक ने जांच की, लेकिन उस समय जवान घर पर मौजूद नहीं थे।

जवान ने बताया कि 5 अप्रैल को वे अपनी शिकायत की स्थिति जानने थाने पहुंचे थे। वहां थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार पाण्डेय से बातचीत के दौरान उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया। आरोप है कि थानाध्यक्ष ने अपमानजनक भाषा का प्रयोग करते हुए उन्हें धक्का दिया और लगभग 30 मिनट तक लॉकअप में बंद रखा। जवान ने यह भी आरोप लगाया कि मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उनका मोबाइल फोन जबरन छीन लिया। उन्होंने बताया कि घटना के दौरान ही उन्होंने पुलिस अधीक्षक को फोन पर मामले की जानकारी दी थी। प्रार्थना पत्र में जवान ने बताया है कि वह वर्ष 2007 से सीआरपीएफ में कार्यरत हैं और उत्कृष्ट सेवा के लिए पांच बार सम्मानित हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि इस पूरी घटना की पुष्टि थाने में लगे सीसीटीवी फुटेज से की जा सकती है। जवान ने निष्पक्ष अधिकारी से जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस अधीक्षक के आदेश के बाद मामले की जांच शुरू हो गई है। पुलिस विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भदोही समाचार

पहले ससुर और कुछ देर बाद बहू की मौत

ज्ञानपुर। मर्चवार गांव की बिंद बस्ती में बुधवार को एक घर से दो अर्थियां उठीं। पहले श्वसुर रीतलाल (75) की मौत हुई। उनके अंतिम संस्कार की तैयारी चल ही रही थी कि बहू बुधना देवी (45) ने दम तोड़ दिया। एक ही दिन परिवार के दो सदस्यों की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। गांव निवासी शीतलाल कई दिनों से बीमार थे। तीन दिन पहले उन्हें भदोही के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मंगलवार की रात उनकी मौत हो गई। परिजन शव लेकर घर पहुंचे। तभी उनके बड़े बेटे कन्हैया लाल की पत्नी बुधना देवी जमीन पर गिर गईं। परिवार के सदस्य उनको अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने मौत की पुष्टि की। डॉक्टरों ने बताया कि लो बीपी के कारण मौत हुई है। वे डायबिटिक मरीज थीं।

चंदौली समाचार

पत्नी ने ननदोई के साथ गला घोंटकर पति को मारा, फिर शव पेड़ से लटकाया

पीडीडीयू नगर। बबुरी थाना क्षेत्र के बड़उर खुरहुजा निवासी राजवंश बियार (42) की मौत के मामले का पुलिस ने 38 दिन बाद पर्दाफाश कर दिया। मामले में राजवंश की पत्नी राम दुलारी और उसके ननदोई रामजनम को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, राजवंश की पत्नी और ननदोई में नजदीकी संबंध थे। इसकी जानकारी राजवंश को हो गई थी। इस कारण राम दुलारी ने ननदोई के साथ मिलकर पति का गला दबाया, फिर रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव पेड़ से लटका दिया था।

गोरखपुर समाचार

गोरखपुर के इस होटल की बिरयानी में मिला कॉकरोच हंगामा

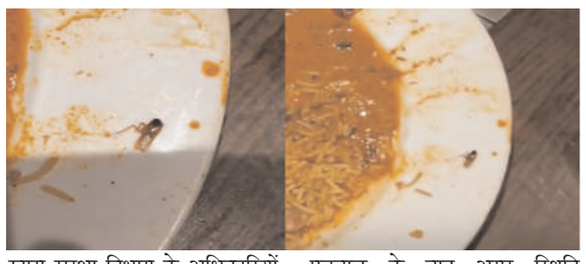

गोरखपुर। सिटी मॉल में स्थित एक रेस्टोरेंट में बर्थडे पार्टी के दौरान चिकन बिरयानी में कॉकरोच मिलने से बुधवार की शाम हंगामा हो गया। सूचना पर पहुंची खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने चिकन बिरयानी, काजू और बेसन के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिए। वहीं, रेस्टोरेंट को दो दिन तक बंद रखकर सफाई कराने के निर्देश दिए। जानकारी के मुताबिक, घटना बुधवार की शाम करीब पांच बजे की है। रेस्टोरेंट में पीपीगंज व्यापार मंडल के अध्यक्ष दिलीप वर्मा के बेटे की बर्थडे पार्टी थी। पार्टी में परिवार के लोगों के साथ 20 से अधिक लोग शामिल थे और सभी भोजन कर रहे थे। इसी बीच एक युवक की थाली में चिकन बिरयानी में कॉकरोच दिखाई दिया। इसके बाद सभी ने खाना छोड़ दिया और आयोजक दिलीप वर्मा ने वीडियो बनाकर खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों से शिकायत कर दी। वहीं पार्टी में मौजूद लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पर थोड़ी ही देर में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम रेस्टोरेंट पर पहुंच गई। टीम ने मौके से चिकन बिरयानी, काजू और बेसन के नमूने एकत्र किए और जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिए। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने रसोई और भोजन परोसने की व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। रेस्टोरेंट को सफाई के लिए फिलहाल दो दिन तक बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। दो दिन बाद टीम जाएगी और जांच-पड़ताल के बाद अगर स्थिति संतोषजनक मिली तभी रेस्टोरेंट खोलने की अनुमति दी जाएगी। रेस्टोरेंट के ब्रांच मैनेजर ने संदेह जताया कि, बुफे काउंटर को बार-बार खोलने के कारण कहीं से कॉकरोच आ गया होगा। सफाई को लेकर विशेष ध्यान दिया जाता है। अगले दो दिन रेस्टोरेंट बंद रखकर पूरी सफाई कराई जाएगी। इस संबंध में खाद्य सुरक्षा विभाग के सहायक आयुक्त डॉ. सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि भोजन में कॉकरोच मिलने की जानकारी के बाद रेस्टोरेंट से लिए गए सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं।

बलिया समाचार

24 उपनिरीक्षक का तबादला, कौशल बने मीडिया सेल प्रभारी

बलिया। जिले के 25उपनिरीक्षकों का एसपी ने स्थानांतरण किया है। मनियर थाना से लाइन हाजिर उपनिरीक्षक कौशल पाठक को मिडिया सेल, सिकंदरपुर कस्बा के चौकी प्रभारी उपिरीक्षक अश्वनी मिश्र को नरही थाना के कोरंटाडीह चौकी का चार्ज दिया गया है। उपनिरीक्षक धनंजय सिंह कोरंटाडीह चौकी से बैरिया कस्बा चौकी प्रभारी, उपनिरीक्षक अवनीश त्रिपाठी रेवती से चौकी प्रभारी चांददीयर, प्रभारी मीडिया सेल अजय सिंह रसड़ा कोतवाली, शिवचंद यादव शिवपुर दियर चौकी से प्रभारी चुनावी सेल, उपनिरीक्षक अरुण सिंह चौकी प्रभारी संवरा से शिवपुर दियर चौकी, उपनिरीक्षक शिवमूर्ति तिवारी को पकवाइनार चौकी से लालगंज चौकी प्रभारी बनाया गया है। सदर कोतवाली के सिविल लाइन पर तैनात उपनिरीक्षक गिरजेश सिंह को सिकंदरपुर कस्बा चौकी बनाए गए हैं।

प्रयागराज समाचार

प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या, करेली में नकाबपोश बदमाशों ने वारदात कर फैलाई सनसनी

प्रयागराज। करेली थाना क्षेत्र के गौसनगर स्थित बिस्मिल्ला चौराहे के पास बुधवार शाम प्रॉपर्टी डीलर मोहम्मद इरफान (47) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। दो बाइक पर सवार चार नकाबपोश बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। एक गोली मृतक के सीने के बाईं तरफ लगी। जमीन के विवाद में हत्या की आशंका है। करेली पुलिस एफआईआर दर्ज कर बदमाशों की पहचान करने में जुट गई है। ऐनुद्दीनपुर में मोहम्मद इरफान अपनी पत्नी मंगरुल निशा के साथ रहते थे। उनके दो बेटे मोहम्मद आमिर व फैसल और दो बेटियां हैं। वह प्रॉपर्टी डीलर थे। बुधवार शाम घर से करीब 50 मीटर दूर इरफान एक दुकान पर चाय पी रहे थे। इसी दौरान शाम करीब 6:30 बजे दो बाइक पर सवार चार बदमाश आए और इरफान के सीने में गोली मारकर फरार हो गए।

गोली लगते ही इरफान जमीन पर गिर गए। सूचना पर डीसीपी नगर मनीष शांडिल्य, एडीसीपी राजकुमार मीना समेत अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तत्काल इरफान को एसआरएन अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि दो बाइक पर सवार चार बदमाश मौके पर पहुंचे थे। चारों बदमाशों ने अपने चेहरे गमछे व मास्क से ढक रखे थे। इनमें से एक बदमाश मोहम्मद इरफान के पास आया और उन्हें गोली मारकर अपने साथी के साथ बाइक पर बैठकर फरार हो गया। सरेआम गोली चलने से क्षेत्र में दहशत फैल गई। वारदात के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन रोते-बिलखते एसआरएन अस्पताल पहुंचे। परिजन व रिश्तेदार रोते-बिलखते यही कह रहे थे कि इरफान की किसी से रंजिश नहीं थी। न जाने क्यों उन्हें मार दिया गया। उन्होंने पुलिस से आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की।

लाइफ मंत्र

क्या आप जानते हैं शिव के इन अवतारों का सीक्रेट ? हर रूप में छिपा है ब्रह्मांड का एक गहरा राज

भगवान शिव को हिंदू धर्म में महादेव कहा जाता है, जिनका न कोई आदि है और न ही अंत। हालांकि हम उन्हें अक्सर कैलाश पर्वत पर ध्यानमग्न एक योगी के रूप में देखते हैं, लेकिन पुराणों में उनके ऐसे कई अद्भुत अवतारों का वर्णन है जो चौंका देने वाले रहस्यों से भरे हैं।

शिव के ये अवतार केवल कहानियां नहीं, बल्कि ब्रह्मांड के गूढ़ विज्ञान और जीवन के गहरे दर्शन को दर्शाते हैं। चाहे वह काल का अंत करने वाला भैरव रूप हो, या सेवा की पराकाष्ठा दिखाने वाले हनुमान। महादेव का हर रूप मनुष्य को मोह, अहंकार और भय से मुक्त करने का एक गुप्त मार्ग बताता है। तो आइए जानते हैं शिव के उन अवतारों के सीक्रेट्स के बारे में, जिन्होंने समय-समय पर सृष्टि की दिशा बदली और जिनके हर रूप में छिपे हैं ब्रह्मांडीय सत्य के गहरे राज।

पिप्पलाद अवतार

महादेव का यह अवतार ऋषि दधीचि के पुत्र के रूप में हुआ था। कहा जाता है कि पिप्पलाद ने ही शनि देव को श्राप दिया था कि 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों पर शनि की कुदृष्टि नहीं पड़ेगी। यह रूप हमें सिखाता है कि कठिन तपस्या से नियति और ग्रहों के प्रभाव को भी बदला जा सकता है।

नंदी अवतार

नंदी केवल शिव की सवारी नहीं, बल्कि उनका एक पूर्ण अवतार हैं। शिलाद ऋषि की तपस्या से प्रसन्न होकर शिव ने उनके पुत्र के रूप में जन्म लिया। नंदी का स्वरूप 'जीव' और 'ईश्वर' के मिलन का प्रतीक है। नंदी का हमेशा शिव की ओर देखना यह दर्शाता है कि भक्त का ध्यान हमेशा परमात्मा में केंद्रित होना चाहिए।

वीरभद्र अवतार

जब माता सती ने यज्ञ की अग्नि में आत्मदाह किया, तब क्रोधित शिव ने अपनी एक जटा उखाड़कर 'वीरभद्र' को प्रकट किया। यह अवतार सिखाता है कि जब अन्याय और अधर्म की सीमा पार हो जाए, तब मौन रहना अपराध है। यह शिव के उस रौद्र रूप का प्रतीक है जो अहंकार का नाश करता है।

भैरव अवतार

काल भैरव को शिव का सबसे भयानक रूप माना जाता है। ब्रह्मा जी के अहंकार को तोड़ने के लिए शिव ने यह रूप लिया था। भैरव का अर्थ है जो भय का नाश करे। यह अवतार ब्रह्मांड के उस सत्य को दर्शाता है कि मृत्यु और समय से कोई नहीं बच सकता, इसलिए व्यक्ति को निर्भय होकर धर्म के मार्ग पर चलना चाहिए।

अश्वत्थामा अवतार

महाभारत के पात्र अश्वत्थामा को शिव का ही अंशावतार माना गया है। द्रोणाचार्य की घोर तपस्या के बाद शिव ने उनके पुत्र के रूप में अंश रूप में जन्म लिया। अश्वत्थामा का आज भी जीवित होना इस बात का प्रमाण है कि कर्मों का फल युगों-युगों तक पीछा नहीं छोड़ता।

हनुमान अवतार

भगवान शिव के सभी अवतारों में हनुमान जी को सबसे शक्तिशाली और रुद्रावतार माना गया है। यह अवतार भगवान विष्णु और भगवान शिव के बीच के गहरे प्रेम और समन्वय का प्रतीक है। हनुमान रूप यह संदेश देता है कि सबसे शक्तिशाली होने के बाद भी विनम्रता और सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है।

क्यों लेते हैं शिव ये अवतार?

संतुलनः जब भी सृजन (ब्रह्मा) और पालन (विष्णु) के बीच विनाश की आवश्यकता होती है ताकि नया सृजन हो सके, शिव प्रकट होते हैं।

अहंकार का अंतः अधिकांश अवतारों में शिव ने देवताओं या ऋषियों के घमंड को चूर किया है।

भक्तों की रक्षाः शिव अपने भक्तों के लिए कभी बालक, कभी शिकारी तो कभी नटराज बन जाते हैं।

लव मर्जर...एक अडवांस प्रेम कथा

साइबर-सिल्वेस्टर ने उसे ढांढस बँधाया कि घबराओ मत, समाज अभी ट्रांजिशन फेज में है, धीरे-धीरे वह भी दूसरों के साथ ओपन-सोर्स होना सीख जाएगी। असल में एलेक्स का दुःख केवल एकतरफा नहीं था, वह इस बात से भी आहत था कि ज़ारा उसे किसी इंटरनेशनल मार्केट में लॉन्च करने के बजाय घर में ही डंप किए हुए थी। सन 2050 की उस सुनहरी और हाई-टेक सुबह में मोहल्ले के ऑक्सीजन-पार्क की आबोहवा ही कुछ और थी, जहाँ कंधे पर सिलेंडर लादे दो बुजुर्ग अपनी विंटेज यादों की फाइलें खोलकर बैठे थे। वे चर्चा कर रहे थे कि उनके जमाने में प्रेमी-प्रेमिका के घर के बाहर फिजिकल अटेंडेंस देते थे और पत्थर फेंककर खिड़कियाँ तोड़ने जैसे मैनुअल टास्क किया करते थे, पर आज का युग तो पूरी तरह रिमोट रोमांस और क्लाउड-बेस्ड अटैचमेंट का है। इसी बीच एलेक्स-पॉल अपने स्मार्ट ग्लास पर डेटा चेक करते हुए गहरी आहें भर रहा था, जिसे देखकर उसके मित्र साइबर-सिल्वेस्टर ने पूछा, क्या हुआ भाई? क्या तुम्हारी प्रेमिका किसी और के साथ लॉग-आउट कर गई या फिर तुम्हारा इमोशनल क्लाउड क्रैश हो गया? एलेक्स ने एक ऐसी दार्शनिक मुस्कान बिखेरी जिसे देखकर लगता था कि उसने अभी-अभी कोई बहुत बड़ा आध्यात्मिक घाटा सहा है। उसने कहा, नहीं यार, ट्रैजेडी तो यह है कि वह वापस आ गई! मैं अपनी पार्टनर ज़ारा-क्वांटम को तीन महीने के फ्री ट्रायल पर पड़ोसी के पास भेजकर आया था ताकि वह अपनी एक्सप्लोरेशन स्किल्स को अपग्रेड कर सके, पर वह तो कह रही है कि उसे मेरा ही सब्सक्रिप्शन रिन्यू कराना है। यह तो सरासर पिछड़ापन और बौद्धिक दिवालियापन है! उसे प्रोग्रेसिव होकर मल्टी-टास्किंग करनी चाहिए थी, किसी अजनबी के साथ अपने प्राइवेट मोमेंट्स की एचडी रील बनानी चाहिए थी, पर वह तो वापस आकर मेरे लिए चाय बनाने और लॉयल्टी निभाने जैसी दकियानूसी और सड़ी-गली बातें कर रही है। मैं तो सोच रहा हूँ कि इसकी शिकायत इमोशनल कंज्यूमर कोर्ट में कर दूँ। साइबर-सिल्वेस्टर ने उसे ढांढस बँधाया कि घबराओ मत, समाज अभी ट्रांजिशन फेज में है, धीरे-धीरे वह भी दूसरों के साथ ओपन-सोर्स होना सीख जाएगी। असल में एलेक्स का दुःख केवल एकतरफा नहीं था; वह इस बात से भी आहत था कि ज़ारा उसे किसी इंटरनेशनल मार्केट में लॉन्च करने के बजाय घर में ही डंप किए हुए थी। एलेक्स चाहता था कि ज़ारा उसे किसी हाई-प्रोफाइल मेटावर्स किटी पार्टी में ऑफर करे, ताकि उसे भी अपनी मार्केटिंग वैल्यू और ग्लोबल डिमांड का अंदाजा हो सके। उसे चिढ़ इस बात की थी कि जब पूरी दुनिया शेयरिंग इकोनॉमी के सिद्धांतों पर चल रही है, तो ज़ारा उसे अपना प्राइवेट असेट और घरेलू सामान क्यों समझ रही है? वह तो उस आधुनिक पुरुषार्थ का स्वप्न देख रहा था जिसमें ज़ारा उसे किसी दूसरी महिला के साथ डेट पर भेजकर खुद बाहर से कमरा लॉक करे और उस पूरे डेटा को क्लाउड पर लाइव स्ट्रीम करके प्रोग्रेसिव पार्टनर का सर्वोच्च गोल्ड मेडल जीते। इधर शहर के स्यूडो-इंटेलेक्चुअल बुद्धिजीवी एक फाइव स्टार कन्वेंशन सेंटर में सेमिनार कर रहे थे कि पुराने जमाने के प्रेमी कितने अकुशल और अनप्रोफेशनल थे जो ईर्ष्या और पजेसिवनेस के चक्कर में हिंसक हो जाते थे। मंच पर खड़ा रिलेशनशिप एल्गोरिदम स्पेशलिस्ट चिल्ला रहा था, साथियों, असली पुरुषार्थ उसे अपनी बाहों में जकड़ने में नहीं, बल्कि उसे दूसरे की बाहों में जाते हुए लाइव स्ट्रीम करने और उस पर सोशल मीडिया लाइक्स बटोरने में है! जो प्रेमी अपनी प्रेमिका का दूसरा प्रेमी खुद शॉर्टलिस्ट नहीं करता, वह प्रेमी नहीं, लव-टेररिस्ट है।

कोयल से हुई बात (व्यंग्य)

इंसान का इंसान से ईमानदार संवाद मुश्किल में है। पक्षी और जानवर से संवाद हमेशा सहज रहा। कोयल से पूछा, आप हर साल आम को मीठा करने आती हैं, इतनी तन्मयता, ईमानदारी व समयबद्धता कैसे रखती हैं। कोयल ने कहा, हम कुदरत की बेटियां हैं, हमारा कर्तव्य आम के वृक्षों के साथ समन्वय बना कर रखना है।

सुबह सैर करते हुए विचार आया कि कोयल से बातचीत की जाए। सुंदर, प्रभावशाली, बड़बोले, ईमानदारों से ही पीछा नहीं छूटता। कौन काली कलूटी से संवाद करेगा। खूबसूरत लोगों ने खूबसीरत लोगों को हमेशा नीचा दिखाने की कोशिश की। युगों से आमों की मिठास बरकरार रखने वाली, अपना रंगढंग न बदलने वाली कोयल से संवाद साधने की सोची।

एक मित्र जो दर्जनों पक्षियों की बोलियां समझने में सिद्धहस्त हैं ने मध्यस्था करते हुए कोयल से संपर्क किया। सभी कोयल ने एक जैसी ही बात करनी थी इसलिए किसी एक का चुनाव करना ज़रूरी नहीं था, हां किसी इंसान की बात होती तो सोचना पड़ता। इंसान का इंसान से ईमानदार संवाद मुश्किल में है। पक्षी और जानवर से संवाद हमेशा सहज रहा। कोयल से पूछा, आप हर साल आम को मीठा करने आती हैं, इतनी तन्मयता, ईमानदारी व समयबद्धता कैसे रखती हैं। कोयल ने कहा, हम कुदरत की बेटियां हैं, हमारा कर्तव्य आम के वृक्षों के साथ समन्वय बना कर रखना है। कुछ भी बदलाव लाना असंतुलन की तरफ ले जाएगा। मिठास आप घोलती हैं, हमने पूछा? बोली, मिठास तो मां प्रकृति घोलती है हमारा काम तो आवाज़ निकालना है और वह भी ठीक वैसी ही जैसा बचपन से सिखाया गया है। हमें आम के वृक्षों पर बैठकर समय और नियमबद्ध तरीके से यह पारिवारिक पारम्परिक कर्तव्य निभाना होता है। हमने कोयल से कहा, आपको पता है आम को फलों का राजा माना जाता है। कोयल ने कहा, हम तो साधारण कार्यकर्ता हैं, हमारे यहां सब एक जैसे होते हैं, ऊंच नीच नहीं होता सभी को एक जैसे घोंसले बनाकर रहना होता है। एक जैसा खाना पीना होता है तभी अनुशासन रहता है। इतनी समानता, समरसता, एकरूपता, एकात्मता हमारे जीवन में है कि पता नहीं कि राजा क्या होता है।

इंसान का इंसान से ईमानदार संवाद मुश्किल में है। पक्षी और जानवर से संवाद हमेशा सहज रहा। कोयल से पूछा, आप हर साल आम को मीठा करने आती हैं, इतनी तन्मयता, ईमानदारी व समयबद्धता कैसे रखती हैं। कोयल ने कहा, हम कुदरत की बेटियां हैं, हमारा कर्तव्य आम के वृक्षों के साथ समन्वय बना कर रखना है।

अगला सवाल था, कोई बागवाला आपको पाल पोसकर, अच्छा खिला पिलाकर, आपको अपने आम के बागीचे में ज्यादा कूकने को कहे, तो कोयल ने कहा, हमें ऐसा व्यवहार करना नहीं सिखाया गया।

प्रकृति के नियम पारदर्शी और न बदलने वाले हैं। हमने कहा दुनिया कितनी बदल गई लेकिन आपकी तान वैसी ही है। हमें यही सिखाया गया है कि कभी अपना अच्छा चरित्र न बदलो, प्रतिस्पर्द्धा या लालच यहां तक कि मजबूरी में भी अडिग रहो। इसी गुण से आपके व्यक्तित्व की पहचान बनती है, कोयल बोली। झिझकते हुए मैंने जानना चाहा, आपको नहीं लगता आपका रंग काला न होकर, भूरा, लाल या कोई और... । जवाब आया, हमारे पूर्वजों ने हमें यही शिक्षा दी कि रंग से कुछ नहीं होता, सब आपके ढंग से होता है। हमारा रंग यदि उजला, पीला होता तो आप हमें पसंद करते मगर हमारी आवाज़ सुरीली न होती तो कितना देर तक सुन पाते। तब क्या अपने बच्चों को हमारी तरह बोलने को कहते। हमारे सवाल खत्म हो गए थे।

कोयल के कूकने का समय हो गया था। वह आम के अन्य वृक्षों की ओर उड़ चली। पक्षी इंसानों की तरह हो जाएं, बोली बदल लें, नए रंग का चोगा पहन लें, मुंह फेरना सीख लें तो प्रकृति का अंदरूनी संतुलन बिगड़ जाएगा। दुनिया के किसी कोने में शायद कोई तो ऐसा करवाने की कोशिश कर रहा होगा मगर कुदरत ऐसा होने तो नहीं देगी। काली कोयल ने अनेक सच उजले कर दिए।

होम फैशन
रथयात्रा, वाराणसी
8573035762

बच्चों के डॉक्टर

गुप्त रोग विशेषज्ञ

कार्ड एवं स्टेशनरी

शादी के कार्ड
खत्री स्टेशनर्स
साई मंदिर के सामने, रामलीला मैदान के पास नदेसर, वाराणसी
मो.9335478047,9140457358

लेडिज सूट शॉप

आल टाइप गारमेंट्स शॉप

मेडिकल शॉप

DIABETIC CARE POINT
Retailer Of All Kinds Of Medicines
C. 14/175-2, Amar Nagar, Sonia Road, Varanasi.
Varanasi- 945048570, 9936153614
Bharat Medicals

ज्योतिष एवं रत्न विशेषज्ञ

आत्मा से सम्बद्ध उदगार

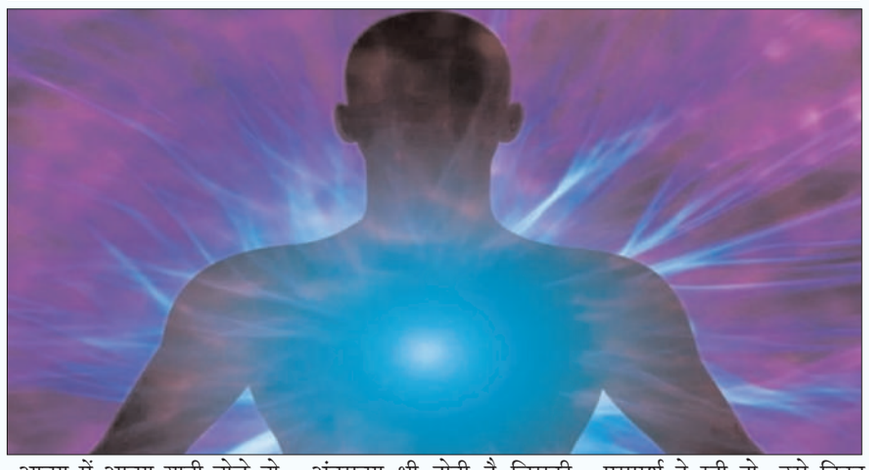

आत्मा में आत्मा यानी बोले तो अंतरात्मा भी होती है जिसकी मूक आवाज़ के आह्वान पर बड़े बड़े लोग अनूठे, असंभव काम कर दिया करते हैं। कृत्रिम बुद्धि युग में भी कर रहे हैं। बड़े आकार की आत्मा की आवाज़ कुछ भी करवा सकती है। उसके एक जबर्दस्त इशारे पर समाज और राजनीति में नए गुल खिलने लगते हैं।

सठियाने नहीं बल्कि सत्तरियाने यानी सत्तर साल का होने के बाद मुझे विश्वास हो चला है कि आत्माएं कई प्रकार की होती हैं। साठ साल तक मैं ऐसा नहीं मानता था। अब धर्म का प्रभाव भी बढ़ रहा है, शायद इसका भी कुछ तो असर होगा ही। मैंने यह मानना शुरू कर दिया है कि आत्मा की आवाजें भी होती हैं जो अलग अलग किस्म की होने के कारण तरह तरह के प्रभाव लिए होती हैं। मिसाल के तौर पर सादी, सरल व सभ्य आत्मा की आवाज़ दबी दबी मरियल सी होती है और आम तौर पर अनसुनी की जाती है।

आम आत्मा शरीर छोड़ जाए तो जान पहचान के लोग दुनिया की प्रसिद्ध किताब फेसबुक में आरआईपी यानी 'आत्माजी, स्वर्ग में शांति से रहना' लिखकर अपना कर्तव्य निभाते हैं।

आत्मा में आत्मा यानी बोले तो अंतरात्मा भी होती है जिसकी मूक आवाज़ के आह्वान पर बड़े बड़े लोग अनूठे, असंभव काम कर दिया करते हैं। कृत्रिम बुद्धि युग में भी कर रहे हैं। बड़े आकार की आत्मा की आवाज़ कुछ भी करवा सकती है। उसके एक जबर्दस्त इशारे पर समाज और राजनीति में नए गुल खिलने लगते हैं।

अंतरात्मा की आवाज़, स्वाभाविक है कुछ लोगों के शरीर के बाह्य, ऊपर, नीचे, दाएं या बाएं हिस्से में बसने वाली लघु आत्माओं की आवाजों में सबसे सशक्त मानी जाती है। यह ख़ास लम्हा बिना बताए आता है जब अंतरात्मा के ठीक अंदर, संभवत उसके भूखे पेट से आवाज़ निकलती है।

यह जानदार आवाज़, समय, जगह व शुभ मुहर्त देखकर ही आती है लेकिन कोई औपचारिकता वगैरा नहीं मानती। ठीक भी है, अंतर की आत्मा, माफ़ करें अंतरात्मा की आवाज़ है किसी भूखे बच्चे का रोना नहीं।

ऐसी आवाजों से यह ज्ञान भी प्राप्त होता है कि जीवित शरीर में आत्मा कभी चैन से नहीं रहती। भला जो आत्मा दुनियावी मसलों में, हाड़मांस के पुतले इंसान को ऐसे, वैसे न जाने कैसे कैसे गलत परामर्श दे रही हो, उसे निवृत होने के बाद तो नरक में ही जाना पडेगा न। उसे स्वर्ग में आसानी से अस्थायी सीट भी मिलने का सवाल पैदा नहीं होता।

यह बात आम इंसान नहीं समझता तभी तो आत्मा के शरीर छोड़ने के अप्रत्याशित अवसर पर फेसबुक पर 'लाइक' का बटन भी दबा देता है, यह मानते हुए कि अमुक आत्मा इस नश्वर संसार के जंजाल से छूट गई है। वास्तव में बेचारी ज़्यादातर आत्माएं, इंसान की गलत करतूतों के कारण नरक में जाकर, निश्चित ही भांति भांति के कष्ट भोग रही होती हैं और इधर ज़्यादातर लोग यही कामना कर रहे होते हैं कि आत्मा को शांति मिले, स्वर्ग में आत्मा शांति से रहे।

कुछ आत्माओं को महान घोषित किए जाने की राष्ट्रीय परम्परा भी है। जीवित बंदे शारीरिक मोह से छूट चुकी आत्माओं को झूठे ख़्वाब दिखा रहे होते हैं जबकि आत्मा इन तुच्छ विचारों से दूर शांत ही रहती हैं। छोटे छोटे स्वार्थों की गिरफ्त में फंसा आदमी, आत्मा को किसी महंगी चीज़ का टुकडा समझता है जिसे नरक में नहीं स्वर्ग में ही रखा जाना चाहिए। जब आत्मा, नश्वर शरीर में कुलबुला रही होती है, हम उसकी आवाज़ दबाते फिरते हैं और बाद में आत्मा की अंतरात्मा की ईमानदार आवाजें सुनने और सुनाने की कोशिशें करते रहते हैं।

नाक, कान और गला रोग विशेषज्ञ

लिवर रोग विशेषज्ञ

यूरोलॉजी विशेषज्ञ

मानसिक रोग विशेषज्ञ

हड्डी रोग विशेषज्ञ